RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
18
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

BIMSTEC पोर्ट्स कॉन्क्लेव 2025 / BIMSTEC Ports Conclave 2025

संदर्भ:

द्वितीय BIMSTEC (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) पोर्ट्स कॉन्क्लेव का उद्घाटन केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में किया गया।

BIMSTEC Ports Conclave 2025: प्रमुख तथ्य

स्थान एवं अवधि: दो दिवसीय BIMSTEC पोर्ट्स कॉन्क्लेव विशाखापत्तनम पोर्ट प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

तिथि: 14–15 जुलाई 2025

थीम: Blue Economy, Innovation and Sustainable Partnerships (नीली अर्थव्यवस्था, नवाचार और सतत साझेदारी)

सदस्य देशों की भागीदारी: बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड के पोर्ट प्राधिकरणों एवं मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुख्य उद्देश्य:

- हाल ही में हस्ताक्षरित **BIMSTEC Agreement on Maritime Transport Cooperation (AMTC)** को क्रियान्वित करना
- बंदरगाह-आधारित विकास पर संवाद को बढ़ावा देना
- समुद्री व्यापार, लॉजिस्टिक्स, क्रूज़ पर्यटन और कौशल विकास में गहन एकीकरण को बढ़ावा देना

प्रमुख पहल: BIMSTEC Sustainable Maritime Transport Centre की स्थापना की जाएगी, जो कि Indian Ocean Centre of Excellence for Sustainable Maritime Transport (IOCE-SMarT), मुंबई के तहत कार्य करेगा।

BIMSTEC पोर्ट्स कॉन्क्लेव 2025: प्रमुख तथ्य

प्रतिभागी देश एवं संस्थाएं:

- BIMSTEC सदस्य देश: **भारत, बांग्लादेश, भूटान, थाईलैंड, म्यांमार, श्रीलंका और नेपाल**।
- प्रतिभागी:
  - परिवहन और पोर्ट्स मंत्री
  - वरिष्ठ सरकारी अधिकारी
  - शिपिंग कॉर्पोरेशनों और लॉजिस्टिक्स कंपनियों के प्रतिनिधि
  - पोर्ट ट्रस्ट्स
  - एशियाई विकास बैंक (ADB) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विशेषज्ञ

एजेंडा:

- BIMSTEC क्षेत्र में समुद्री विकास को बढ़ावा देने के लिए निजी निवेश और अवसंरचनात्मक साझेदारियों को प्रोत्साहित करना।
- कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट कॉरिडोर को तेजी से पूरा करने पर चर्चा – जो कोलकाता पोर्ट को म्यांमार के सित्वे पोर्ट से जोड़ेगा।
- तटीय पर्यटन सर्किट और हेरिटेज क्रूज़ लाइन को पहचानने और बढ़ावा देने की योजना।
- ग्रीन एनर्जी, सस्टेनेबल लॉजिस्टिक्स, और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के जरिए नीली अर्थव्यवस्था को सशक्त करना।
- ग्रीन हाइड्रोजन, डिकार्बोनाइजेशन पाथवे, स्मार्ट लॉजिस्टिक कॉरिडोर, SEZs, और पोर्ट-लिंक्ड औद्योगिकीकरण पर गहन विचार-विमर्श।

BIMSTEC: एक परिचय

स्थापना:

- वर्ष **1997** में **बैंकॉक डिक्लरेशन** पर हस्ताक्षर के साथ गठित हुआ।

उद्देश्य:

- आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, और विज्ञान, प्रौद्योगिकी व अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना।
- दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बंगाल की खाड़ी से जुड़े देशों को एकजुट करना।

प्रारंभिक सदस्य (1997): बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड

मुख्य उद्देश्य:

- आर्थिक विकास में सहयोग
- सामाजिक और तकनीकी प्रगति को समर्थन
- विज्ञान, तकनीक, परिवहन, ऊर्जा, पर्यटन, मत्स्य पालन और कृषि जैसे क्षेत्रों में साझा विकास को प्रोत्साहन

गुजरात की जीनोम अनुक्रमण परियोजना / Gujarat's Genome Sequencing Project

संदर्भ:

गुजरात ने अपनी जनजातीय आबादी पर केंद्रित एक अनूठी जीनोम सीक्वेंसिंग परियोजना की शुरुआत की है। इस परियोजना का नाम है "Creation of Reference Genome Database for Tribal Population in Gujarat", जिसकी घोषणा वर्ष 2025-26 के बजट में की गई थी।

गुजरात का आदिवासी जीनोम अनुक्रमण परियोजना: भारत में पहली बार

क्या है यह परियोजना?

- यह एक **प्रथम-पहल जीनोमिक अनुसंधान पहल** है, जिसका उद्देश्य **गुजरात के** 17 जिलों में रहने वाले 2,000 आदिवासी व्यक्तियों के जीनोम का अनुक्रमण करना है।
- लक्ष्य: प्रीसिशन मेडिसिन (सटीक चिकित्सा) को बढ़ावा देना।

शुरू किया गया द्वारा: गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (GBRC) द्वारा क्रियान्वित।

प्रमुख उद्देश्य:

- वंशानुगत बीमारियों से जुड़े जेनेटिक रिस्क मार्कर्स की पहचान करना, जैसे: सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, आनुवंशिक कैंसर
- आदिवासी आनुवंशिक प्रोफाइल पर आधारित व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल प्रोटोकॉल विकसित करना।
- विज्ञान-आधारित आदिवासी सशक्तिकरण के ज़रिए स्वास्थ्य असमानता को कम करना।

प्रमुख विशेषताएं:

- उन्नत इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा सैंपल कलेक्शन, अनुक्रमण और डेटा विश्लेषण।
- प्राकृतिक इम्युनिटी मार्कर्स और कस्टमाइज्ड मेडिकल केयर पर ध्यान।
- आदिवासी समुदायों से संवाद और जागरूकता अभियान।
- 17 जिलों के विविध आदिवासी समूहों को शामिल कर प्रतिनिधित्व और विविधता सुनिश्चित की गई है।

महत्व:

- **स्वास्थ्य न्याय:** वंचित समुदायों में बीमारियों की शीघ्र पहचान और उपचार को सुलभ बनाना।
- **डेटा आधारित जनस्वास्थ्य:** दीर्घकालिक स्वास्थ्य अनुसंधान और नीति-निर्माण के लिए **जीनोमिक डेटा बेसलाइन** तैयार करना।
- **राष्ट्रीय स्तर पर दोहराने योग्य मॉडल:** अन्य राज्यों को भी **क्षेत्र-विशिष्ट जीनोमिक नीतियों** के निर्माण में मार्गदर्शन मिलेगा।

जीनोम अनुक्रमण (Genome Sequencing):

क्या है जीनोम अनुक्रमण?

- यह प्रक्रिया **किसी जीव के पूरे डीएनए अनुक्रम (DNA sequence)** को पढ़ने की होती है।
- इसमें **चार न्यूक्लियोटाइड बेस - A (Adenine), T (Thymine), C (Cytosine), G (Guanine)** - के क्रम को पूरी तरह से **पहचानना और रिकॉर्ड करना** शामिल होता है।

किसे कहते हैं जीनोम?

- किसी जीव का **पूरा आनुवंशिक कोड**, जिसमें सभी **जीन और गैर-जीन डीएनए अनुक्रम** शामिल होते हैं - उसे ही **जीनोम** कहा जाता है।

प्रक्रिया का उद्देश्य:

- यह पता लगाना कि **किस क्रम में बेस A, T, C और G किसी जीव के डीएनए में मौजूद हैं**।

उपयोगिता और महत्व:

- **आनुवंशिक संरचना** को समझने में सहायक।
- **बीमारियों के कारणों** को समझने और उनका निदान करने में मदद।
- **विकासक्रम (evolution)** और **विविधताओं** का अध्ययन संभव।
- **पर्सनलाइज्ड मेडिसिन (व्यक्तिगत उपचार)** के विकास में उपयोगी।

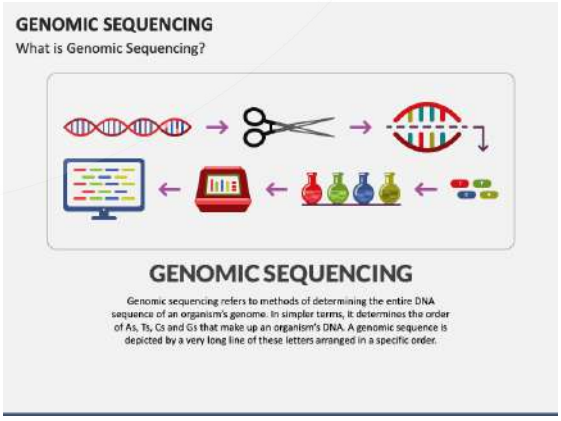

दिल्ली में जियोसेल्स तकनीक से बनेगी पहली प्लास्टिक सड़क / Delhi to Get First Plastic Road Using Geocells Technology

संदर्भ:

दिल्ली को अपनी पहली प्लास्टिक सड़क मिलने जा रही है, जो सतत बुनियादी ढांचे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सड़क **भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (CRRI) द्वारा** विकसित की जा रही है। इसमें 9x9x9 इंच की बॉक्स जैसी कोशिकाओं को बिटुमिन और प्लास्टिक मिश्रण से भरकर निर्माण तकनीक अपनाई जा रही है।

Geocells Technology क्या है?

Geocells एक प्रकार की **cellular confinement system** है, जो फैलने पर **तीन-आयामी (3D)** संरचना बनाती है जो दिखने में **शहद के छत्ते (honeycomb)** जैसी होती है। इसका प्रयोग ज़मीन की मजबूती और स्थिरता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- Geocells आमतौर पर **High-Density Polyethylene (HDPE)** या अन्य मजबूत पॉलिमर से बनाए जाते हैं।
- इनका उद्देश्य मिट्टी, बजरी या रेत जैसे भराव (infill) पदार्थों को **स्थिर करना और फैलने से रोकना** होता है।

Geocells कैसे काम करते हैं?

- Geocells को निर्माण स्थल पर फैलाया जाता है और उनमें चुना हुआ **भराव सामग्री (infill material)** डाला जाता है।
- इन कोशिकाओं के भीतर सामग्री **सीमित (confined)** रहती है, जिससे **क्षैतिज फैलाव (lateral spreading)** और दबाव रुकता है।
- इससे ज़मीन की **लोड सहने की क्षमता (load-bearing capacity)** काफी बढ़ जाती है।

उपयोग:

- सड़क निर्माण (जैसे दिल्ली की पहली प्लास्टिक सड़क)
- तटबंध, ढलानों और बेसमेंट को मजबूत करने में
- पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में टिकाऊ निर्माण के लिए

Geocell Technology के प्रमुख अनुप्रयोग-

- **सड़क निर्माण (Road Construction):** सड़क की सबग्रेड को मजबूत करने के लिए उपयोग होता है, जिससे भार का बेहतर वितरण होता है और पक्की परतों की मोटाई घटाई जा सकती है।
- **ढलान स्थिरीकरण (Slope Stabilization):** ढलानों को स्थिर रखने, कटाव रोकने और हरियाली बढ़ाने में प्रभावी।
- **कटाव नियंत्रण (Erosion Control):** मिट्टी को स्थिर रखकर इसका बहाव रोकता है – खासकर ढलानों, नदी किनारों और तटीय क्षेत्रों में।
- **भार समर्थन (Load Support):** नींवों को सुदृढ़ करने और मजबूत आधार तैयार करने में सहायक।
- **अन्य नागरिक परियोजनाएं:** रिटेनिंग वॉल, नहरों की लाइनिंग और विभिन्न सिविल इंजीनियरिंग कार्यों में प्रयोग।

Geocell Technology के लाभ (Benefits)

- **भार वहन क्षमता में वृद्धि:** मिट्टी की मजबूती और स्थिरता बढ़ती है, जिससे भारी भार सहन करने में सक्षम होती है।
- **कटाव में कमी:** मिट्टी को फैलने से रोककर पर्यावरण को संरक्षित करता है।
- **लागत प्रभावशीलता:** खुदाई की आवश्यकता कम कर निर्माण लागत घटाता है, साथ ही स्थानीय भराव सामग्री का उपयोग करता है।
- **पर्यावरणीय स्थिरता:** ढलानों को हरियाली के साथ स्थिर किया जा सकता है, जो प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल समाधान है।
- **टिकाऊपन और दीर्घकालिकता:** मजबूत सामग्री से निर्मित होते हैं और कठोर जलवायु में भी लंबे समय तक प्रदर्शन बनाए रखते हैं।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना / PM Dhan-Dhaanya Krishi Yojana

संदर्भ:

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना" को मंजूरी दे दी है, जिसकी अवधि 2025-26 से शुरू होकर छह वर्षों तक चलेगी। इस योजना के तहत देश के 100 जिलों को कवर किया जाएगा, जिसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र को समग्र रूप से सशक्त बनाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PM Dhan-Dhaanya Krishi Yojana): प्रमुख तथ्य

योजना का परिचय:

- **कृषि और संबद्ध क्षेत्रों** पर केंद्रित **पहली समर्पित योजना**।
- **नीति आयोग** की **आकांक्षी जिलों की योजना** (Aspirational Districts Programme) से प्रेरित।

कुल वार्षिक बजट: ₹24,000 करोड़ प्रति वर्ष

संसाधन संयोजन:

- 11 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं का एकीकरण
- राज्य योजनाएं और निजी क्षेत्र की भागीदारी भी शामिल

कवरेज:

- **100 ज़िले** (हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से कम से कम एक जिला)
- चयन के **3 प्रमुख आधार**:
  - कम कृषि उत्पादकता
  - कम फसल तीव्रता (cropping intensity)
  - कम ऋण वितरण (credit disbursement)

लक्षित लाभार्थी: 1.7 करोड़ किसान

कार्यान्वयन अवधि: 6 वर्ष (2025-26 से आरंभ)

प्रमुख उद्देश्य:

- कृषि उत्पादकता में वृद्धि
- फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन
- सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देना
- पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भंडारण ढांचे को सुदृढ़ करना
- सिंचाई अवसंरचना में सुधार
- किसानों को दीर्घकालिक व अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराना

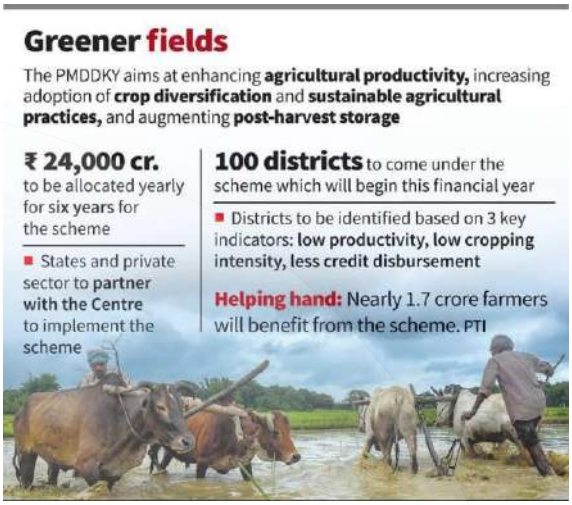

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना: कार्यान्वयन व्यवस्था

कार्यान्वयन की रूपरेखा: योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए तीन स्तरों पर समितियों का गठन किया जाएगा:

- **ज़िला स्तर**
- **राज्य स्तर**
- **राष्ट्रीय स्तर**

ज़िला कृषि और संबद्ध गतिविधि योजना (DAAAP):

- प्रत्येक जिले के लिए एक विशिष्ट कृषि योजना (DAAAP) तैयार की जाएगी।
- इसे ज़िला धन-धान्य समिति द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा।

निगरानी और मूल्यांकन:

- 117 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPIs) के आधार पर मासिक प्रगति ट्रैकिंग की जाएगी।
- एक डिजिटल डैशबोर्ड के ज़रिए नियमित मूल्यांकन होगा।

नीति आयोग की भूमिका: जिला योजनाओं को मार्गदर्शन देना और उनकी समीक्षा करना।

केंद्रीय नोडल अधिकारी: प्रत्येक जिले में एक केंद्रीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो नियमित समीक्षा करेगा।

Javelin मिसाइल प्रणाली / Javelin missile system

संदर्भ:

भारत ने अमेरिका को एक औपचारिक अनुरोध पत्र सौंपा है, जिसमें देश के भीतर Javelin एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों (ATGMs) के सह-निर्माण (co-production) की मांग की गई है। यह कदम भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

Javelin मिसाइल प्रणाली: प्रमुख जानकारी:

- **Javelin** एक **मैन-पोर्टेबल (कंधे से दागी जा सकने वाली)**, **फायर-एंड-फॉरगेट**, **इन्फ्रारेड-गाइडेड** मिसाइल प्रणाली है।
- इसे **एक व्यक्ति द्वारा आसानी से ले जाकर और दागा जा सकता है**, जो इसे **टैंक-रोधी युद्ध** के लिए अत्यधिक प्रभावी बनाता है।

विकास: इस प्रणाली का विकास **Raytheon** और **Lockheed Martin** के संयुक्त उपक्रम द्वारा किया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- **Fire-and-Forget तकनीक:** एक बार लक्ष्य पर लॉक करने के बाद ऑपरेटर को **स्थान बदलने की स्वतंत्रता** मिलती है, जिससे **सर्वाइवल** बढ़ता है।
- **बहु-उद्देश्यीय लक्ष्यभेदन:** यह मिसाइल **बख्तरबंद वाहनों**, **बंकरों**, और **गुफाओं** जैसे अनेक लक्ष्यों को भेद सकती है।
- **मध्यम दूरी की क्षमता:** यह प्रणाली **मध्यम दूरी के युद्ध परिदृश्यों** के लिए उपयुक्त है।
- **मैन-पोर्टेबल:** पूरी प्रणाली इतनी हल्की है कि **एक सैनिक इसे अपने साथ ले जा सकता है**।

उपयोगिता:

- आधुनिक युद्धक्षेत्र में **त्वरित हमला और त्वरित स्थान परिवर्तन** की आवश्यकता को पूरा करती है।
- विशेष रूप से **गंभीर टैंक हमलों को रोकने** में उपयोगी।

प्रधान मंत्री प्रोफेसरशिप / Prime Minister Professorships

संदर्भ:

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (Anusandhan National Research Foundation - ANRF) ने प्रधानमंत्री प्रोफेसरशिप्स (Prime Minister Professorships) की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य उच्च शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना तथा भारत में वैश्विक स्तर के अकादमिक और वैज्ञानिक नेतृत्व को विकसित करना है।

PM Professor Scheme: एक परिचय

- यह योजना संरचित मेंटरशिप व्यवस्था को बढ़ावा देती है, जिसमें सेवानिवृत्त, सक्रिय या वरिष्ठ विशेषज्ञ संस्थानों में शैक्षणिक और शोध सहयोग प्रदान करते हैं।

अवधि: **अधिकतम 5 वर्ष**, विशेषज्ञ समिति द्वारा प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर।

पात्रता:

- विदेशी वैज्ञानिक पात्र (NRI, PIO, OCI सहित)।
- उद्योग क्षेत्र के पेशेवर और अनुभवी प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस भी पात्र हैं यदि उनके पास उत्कृष्ट अनुसंधान/नवाचार रिकॉर्ड हो।

वित्तीय सहायता:

- **फेलोशिप:** ₹30 लाख प्रति वर्ष
- **अनुसंधान अनुदान:** ₹24 लाख प्रति वर्ष
- **ओवरहेड (होस्ट संस्थान के लिए):** ₹1 लाख प्रति वर्ष

पात्र होस्ट संस्थान: वे राज्य विश्वविद्यालय जो ANRF के PAIR कार्यक्रम के Category A में शामिल "स्पोक संस्थान" हैं।

ANRF (Anusandhan National Research Foundation):

स्थापना: ANRF अधिनियम 2023 के तहत, **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST)** के अंतर्गत

उद्देश्य:

- अनुसंधान व नवाचार को **बीज, विस्तार और प्रोत्साहन** देना
- विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों और R&D प्रयोगशालाओं में **शोध संस्कृति** को बढ़ावा देना
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)** की सिफारिशों के अनुसार वैज्ञानिक अनुसंधान को **रणनीतिक दिशा** देना

संरचनात्मक परिवर्तन: **Science and Engineering Research Board (SERB)**, जो 2008 में स्थापित हुआ था, को अब **ANRF में समाहित** कर दिया गया है।

ADEETIE योजना / ADEETIE Scheme

संदर्भ:

Assistance in Deploying Energy Efficient Technologies in Industries & Establishments (ADEETIE) योजना का आधिकारिक शुभारंभ हरियाणा के पानीपत स्थित आर्य (पी.जी.) कॉलेज में किया गया। इस योजना का उद्देश्य उद्योगों और संस्थानों में ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सहायता प्रदान कर ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है।

ADEETIE योजना: ऊर्जा दक्षता में MSMEs के लिए निर्णायक पहल-

योजना का नाम: ADEETIE

परिचय:

- **शुरुआत:** भारत सरकार के **विद्युत मंत्रालय** द्वारा
- **कार्यान्वयन एजेंसी: Bureau of Energy Efficiency (BEE)**
- **कुल बजटीय प्रावधान:** ₹1000 करोड़

उद्देश्य: MSME क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता (Energy Efficiency) को बढ़ावा देना **लो-कार्बन अर्थव्यवस्था** की दिशा में भारत को आगे ले जाना

कार्यान्वयन रूपरेखा (End-to-End Handholding):

- Loan पर ब्याज अनुदान (Interest Subvention)
- Investment Grade Energy Audits (IGEA)
- विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPRs)
- परियोजना के बाद की निगरानी व सत्यापन

कवरेज: 14 ऊर्जा-गहन क्षेत्र (Sectors): पीतल, ईंट, सिरेमिक, रसायन, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, फोर्जिंग, फाउंड्री, कांच, चमड़ा, कागज़, फार्मा, स्टील री-रोलिंग, वस्त्र

वित्तीय सहायता:

- सूक्ष्म और लघु उद्यम: 5% ब्याज अनुदान
- मध्यम उद्यम (Medium Enterprises): 3% ब्याज अनुदान
- इससे ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के लिए ऋण लेना अधिक सुलभ और सस्ता होगा।

महत्व:

- **MSME इकाइयों को उन्नत ऊर्जा-दक्ष तकनीकों** में परिवर्तित होने के लिए प्रोत्साहित करता है
- भारत को **कम-कार्बन अर्थव्यवस्था** में परिवर्तित करने की दिशा में **रणनीतिक कदम**
- **वित्तीय और तकनीकी सहायता का समग्र मॉडल** MSMEs को सशक्त बनाता है

वाईडी वन / YD One

संदर्भ:

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (IIT Madras) ने हाल ही में **"YD One"** नामक भारत की सबसे हल्की सक्रिय व्हीलचेयर लॉन्च की है, जिसमें आधुनिक इंजीनियरिंग का उपयोग कर असाधारण हल्केपन और कार्यक्षमता को एकत्रित किया गया है

YD One व्हीलचेयर: भारत की पहली स्वदेशी प्रिसिजन-बिल्ट सक्रिय व्हीलचेयर

- **YD One** भारत की **सबसे हल्की सक्रिय (active) व्हीलचेयर** है।
- यह देश की **पहली स्वदेशी रूप से विकसित मोनो-ट्यूब, रिगिड-फ्रेम व्हीलचेयर** है।

विकासकर्ता संस्थान:

- विकसित किया गया: **IIT मद्रास** के **TTK सेंटर फॉर रिहैबिलिटेशन रिसर्च एंड डिवाइस डेवलपमेंट (R2D2)** द्वारा
- सहयोगी स्टार्टअप: **Thryv Mobility**

प्रमुख विशेषताएं:

- **पूर्णत: व्यक्तिगत अनुकूलन (Customized):** उपयोगकर्ता के **शरीर, मुद्रा और दैनिक गतिशीलता** की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार।
- **वज़न:** मात्र **9 किलोग्राम** - **एयरोस्पेस-ग्रेड सामग्री** से निर्मित
- **भार वहन क्षमता: 120 किलोग्राम** तक
- **कॉम्पैक्ट फ्रेम:** कार, ऑटो-रिक्शा और सार्वजनिक परिवहन में **आसानी से फिट** हो सकता है।

उद्देश्य:

- उपयोगकर्ताओं को **स्वतंत्रता और गरिमा** प्रदान करना
- **महंगे आयात विकल्पों** की तुलना में **सस्ती उच्च-प्रदर्शन गतिशीलता** उपलब्ध कराना
- **भारत में ही विकसित** सटीक और कुशल डिजाइन के माध्यम से **लोकल-फॉर-लोकल नवाचार** को बढ़ावा देना

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M
Possible
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

RAS FOUNDATION

HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
Pathshala
नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)

CALL CENTRE

787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: